एमटीएनएल इफेक्ट

प्राइवेट फोन भी हो सकते हैं डिस्टर्ब

नव भारत टाइम्स

न्यूज़ संवाददाता । नई दिल्ली

एमटीएनएल अधिकारियों के असहयोग आंदोलन का असर प्राइवेट टेलिफोन उपभोक्ताओं पर भी नजर आ सकता है। आंदोलनकारी अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार से इस आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इससे एमटीएनएल नेटवर्क का इस्तेमाल करने प्राइवेट टेलिफोन ऑपरेटरों की सेवाएं भी चरमरा सकती हैं।

इस वक्त दिल्ली में एमटीएनएल के 16 लाख लैंडलाइन, 20 लाख मोबाइल और गरुड़ कनेक्शन और चार लाख ब्रॉडबैंड के उपभोक्ता हैं। ज्वाइंट फोरम ऑफ एमटीएनएल एग्जिक्यूटिव असोसिएशन के महासचिव अशोक कुमार कौशिक के मुताबिक इस आंदोलन की वजह से पहले ही दिन एमटीएनएल की दिल्ली और मुंबई दोनों ही जगह 80 फीसदी सेवाएं चरमरा गई हैं। यूनियन की मांगें नहीं मानी जातीं तो मंगलवार से इसका असर प्राइवेट ऑपरेटरों के कनेक्शनों पर भी पड़ सकता है। अधिकतर प्राइवेट ऑपरेटर एमटीएनएल का नेटवर्क इस्तेमाल करते हैं।

सोमवार को भी दिल्ली में एमटीएनएल के ग्राहकों की फोन सेवाएं लगभग ठप रहीं। हालांकि कुछ जगह टेलिफोन कनेक्शन चल रहे थे लेकिन यूनियन नेताओं का कहना है कि मंगलवार को जब यह आंदोलन तेज होगा तो बाकी सेवाएं भी गड़बड़ाने की आशंका है। उनका कहना है कि वे नहीं चाहते थे कि आंदोलन से उपभोक्ताओं को नुकसान हो, इसी वजह से वे पिछले दो महीने से रैलियों और धरनों के जरिए एमटीएनएल मैनेजमेंट को मनाने में जुटे थे लेकिन अब तक मैनेजमेंट ने कोई पॉजिटिव रिस्पॉन्स नहीं दिया।

आंदोलनकारी अधिकारियों का कहना है कि उनका विरोध एमटीएनएल के उस आदेश के खिलाफ है, जिससे एमटीएनएल के अधिकारियों का वेतन बढ़ने की बजाय 4000 से 8000 रुपये तक कम हो जाएगा। यूनियन का कहना है कि सरकारी कंपनियों में नया वेतनमान लागू करने के साथ सरकार ने जो शर्तें रखी थीं, उन्हें एमटीएनएल पूरा करता है लेकिन एमटीएनएल ने जो ऑर्डर जारी किए हैं, उससे उनके भत्ते तो कम होंगे ही, साथ ही मकान किराए भत्ते में भी कमी आ जाएगी। मकान का घटा हुआ भत्ता 2006 से लागू हो जाएगा। इस तरह से अगर उस घटे हुए भत्ते की कटौती हुई तो पिछले ढाई साल का लिया हुआ भत्ता भी उन्हें वापस करना पड़ेगा। उनका कहना है कि इस आदेश का असर एमटीएनएल के दिल्ली और मुंबई के 8000 अफसरों पर पड़ा है। यही वजह है कि उन्हें इस आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा है।

लाइन खराब है...

- एमटीएनएल अफसरों का असहयोग आंदोलन आज से होगा और तेज
- अधिकतर प्राइवेट ऑपरेटर करते हैं नेटवर्क की शेयरिंग
- सोमवार को टेलिफोन और इंटरनेट लाइनें बुरी तरह प्रभावित रहीं
- सैलरी घटने की बात पर नाराज हैं एमटीएनएल के अफसर